चतुर्थ चरण, कार्यक्रम-03

त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

अभिकल्पन एवं विकास : ऑनलाइन आकलन

(Design & Develop : Online Assessment)

08 से 10 जून 2020 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में '**अभिकल्पन एवं विकास : ऑनलाइन आकलन**' विषय पर तृतीय त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 8 से 10 जून 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विविध ऑनलाइन आकलन उपकरणों, एप्स एवं सॉफ्टवेयरर्स से परिचित कराना तथा उनका अभिकल्पन, विकास एवं परिदान सम्बंधी कुशलताओं का विकास करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन **गूगल मीट के मंच** पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त **श्री मुकुल कानिटकर** (अखिल भारतीय संघटन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नई दिल्ली) के द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा दिया गया तथा **प्रो. के भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 18 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन, प्रबोधन, प्रदर्शन आधारित 08 तकनीकी सत्रों एवं प्रश्नोत्तर, 03 स्वाभ्यास, ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 507 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 329 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 249 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 228 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 21 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सके। 228 प्रतिभागियों में से भारत के 21 राज्यों एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेशो से 227 प्रतिभागी तथा देश के बाहर सऊदी अरब से 01 प्रतिभागी रहे। 21 राज्यों के प्रतिभागियों में आंध्र प्रदेश से 12, असम से 04, बिहार से 03, गुजरात से 04, हरियाणा से 18, हिमाचल प्रदेश से 02, झारखंड से 01, कर्नाटक से 05, केरल से 03, मध्य प्रदेश से 02, महाराष्ट्र से 12, मेघालय से 01, ओडिशा से 05, पंजाब से 01, राजस्थान से 22, तमिलनाडु से 14, तेलंगाना से 01, त्रिपुरा से 07, उत्तराखंड से 09, उत्तर प्रदेश से 37 एवं पश्चिम बंगाल से 09 तथा दो केन्द्र शासित प्रदेश में चंडीगढ़ से 04 और दिल्ली से 50 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से **पाँच विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा- ऑनलाइन आकलन : समग्र दृष्टि, लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों हेतु आकलन उपकरण, ऑनलाइन आकलन एवं परिचर्चा मंच (डिस्कशन फोरम), ऑनलाइन उपस्थिति एवं प्रमाणपत्र, हॉट पोटैटोज एवं गूगल फार्म। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर **07 दत्तकार्य** प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में **64% प्रतिभागियों ने 60 प्रतिशत से अधिक** अंक प्राप्त किये। व्याख्यानों की गुणवत्ता को प्रतिभागियों की दृष्टि से सुनिश्चित करने के लिए विषय विशेषज्ञों के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **78%, 20%, 02% एवं 00%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **75% उत्कृष्ट, 20%, अति उत्तम 04% उत्तम एवं 01% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **डॉ. भूषण पटवर्धन महोदय** (उपाध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय महोदय** (कुलपति, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया तथा शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली प्रेषित किये गए।